



पार्ट 1

# विश्वण

BY POONAM SHA







Like Video and Subscribe our channel







```
किसी संज्ञा/रतर्वनाम की विवेषमा बतान वाले
वाह्य की विवापण कहते है।
    उदा - मारी दीवार
```

\* विशेष्य :- जिस अहद की विशेषता बताई जाए, विशेष्य कहलाता है।





```
नीला आकाश
* प्रविशेषण :- वह शब्द जो विशेषता
            वताए, प्रविशेषण कहलाता है।
                  विशेषण
```





विशेषण के भेद- [ ५ प्रकार]

रंग, रूप अवस्था

अनिश्चित (नाप असंस्थावाची असिश्चित असंस्थावाची

× उन्य भेद > त्यक्तिवाचक विशेषण

परिमाणवाचा (नाप, माप, लॉल) ) निश्चिम अमिश्चिम

अभिवन्ययान्यक न कीर





1) गुणवाचक विशेषण ३ वे विशेषण शस्य जो संज्ञा के रंग, रूप, आकार, प्रकार, गुण, नेष, दशा, अवस्था इत्यादि का बोध कराए, गुणवाचक विशेषण कहलाता है।





2) संख्यावाचक विशेषण :- वे विशेषण शब्द जो किसी निश्चिम या अनिश्चित संख्या का बोध कराए, वह संख्यावाचक विशेषण कहलाता है।

उहाहरण:- दो लड़िक्याँ तीन आम कई लोग हमारों जोग

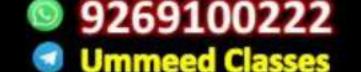




## रनंश्व्यावाचक विवेषिण।

```
गणनावाचक अपन्यता, दसवा
सम्बायक -> दोनों, तीनों, न्यारो
अवित्रिवायक -> दुगुना, न्यीगुना
```





(क) निविचार संरव्यापाचक :-

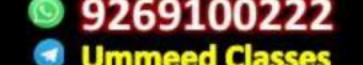
उदा:-1) तुम्हार पास वीस रापये हैं। गणनावाचक

2) उसका कक्षा में पॉचवॉ स्थान आयाहै)

3) यह उपहार दोनों बच्चों को दी

UMMEEDatheal-ua 4) एम्हें पुग्नी किलाने दूँगा । (आवृत्तिवाचवे





(ख) अनिविच्य संख्यानी? कुछ, कुई, भाखों, हजारों, सं-एक उदाः- कुद्ध लड़के मैदार में खेल रहे है। मेरे पास कई किलाब है। द्घटिना में हजारों भोग घायए हुए।

स्रिड्ड पन् कोई सी लोग इंकट्ठा थे।

